



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 425]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 23, 1979/कार्तिक 1, 1901

No. 425]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 23, 1979/KARTIKA 1, 1901

इस भाग में प्रिन्ट पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1979

क्र०आ० 590 (अ)/18क/उ०वि०वि०अ०/79.—भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 678(अ)/18क/आई डी आर ए/72, तारीख 24 अक्टूबर, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा मैसर्स कार्टर पूलर एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उस आदेश में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 620 (अ)/18क/उ०वि०वि०अ०/77, तारीख 19 अगस्त, 1977 द्वारा उस आदेश की अवधि 23 अक्टूबर, 1979 तक की, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, दो वर्ष की अवधि के लिए और बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक का उक्त औद्योगिक उपक्रम के प्रबन्ध पर नियंत्रण 23 अक्टूबर, 1980 तक जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, और बना रहना चाहिए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 23 अक्टूबर, 1980 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, और प्रभावी बना रहेगा।

[क्र० सं० 1(92)/71-सी० यू० सी०]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 23rd October, 1979

S.O. 590(E)/18A/IDRA/79.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 678(E)/18A/IDRA/72 dated the 24th October, 1972 hereinafter referred to as the said order, the management of the industrial undertaking known as Messrs. Carter Pooler and Company Private Limited, Calcutta, had been taken over by the Authorised Controller referred to in that order for a period of five years;

And whereas the duration of the said order has been extended for a further period of two years, that is, upto and inclusive of the 23rd October 1979 by Notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 620(E)/18A/IDRA/77, dated the 19th August, 1977;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period upto and inclusive of the 23rd October, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of the section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 23rd October, 1980.

[F. No. 1(92)/71-CUC]

B. ROY, Joint Secy.

का० प्रा० 391(अ)/18क/आई०डी०आर० ए०/79—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० प्रा० 266 (ई)/18क/आई०डी०आर० ए०/78, तारीख 13 अप्रैल, 1978 में निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त आदेश में—

(क) “अध्यक्ष” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में, मद 1 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्:—

1. “मेजर जनरल परमंगशू चौधरी”

(ख) “सदस्य” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में मद 2 और 3 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्:—

“2. श्री आर० के० आनन्द,  
डाइरेक्टर, उद्योग मंत्रालय,  
औद्योगिक विकास विभाग।

3. श्री के० मार्ग बन्धु।”

[फा० सं० 2(24)/76-सी०यू०सी०]

**S.O. 591(E)/18A/IDRA/79.**—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 266(E)/18A/IDRA/78 dated the 13th April, 1978 namely:—

In the said Order for serial numbers 1, 2 and 3 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries should be substituted, namely:—

“1. Major General Premangshu Chowdry.....Chairman

2. Shri R. K. Anand,

Director Ministry of Industry,

Department of Industrial Development.....Member

3. Shri K. Marga Banthu

..... -do-”

[F. No. 2(24)/76-CUC]

का० प्रा० 592(अ)/18क/आई०डी०आर० ए०/79—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० प्रा० 852 (इ)/18क/आई०डी०आर० ए०/77, तारीख 23 दिसम्बर, 1977 में निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त आदेश में,—

(क) “अध्यक्ष” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में, मद 1 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

1. “मेजर जनरल परमंगशू चौधरी”

(ख) “सदस्य” शीर्षक के नीचे पैरा में, मद 2 और 3 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“2. श्री आर० के० आनन्द,  
डाइरेक्टर, उद्योग मंत्रालय,  
औद्योगिक विकास विभाग।

3. श्री के० मार्ग बन्धु”।

[फा० सं० 2(44)/77-सी०यू०सी०]

बी० राय, संयुक्त सचिव

**S.O. 592(E)/18AA/IDRA/79.**—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 852(E)/18AA/IDRA/77, dated the 23rd December, 1977, namely:—

In the said Order (1) under the heading “Chairman”, for serial number 1 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

“1. Major General Premangshu Chowdry”;

(2) under the heading “Members” for serial numbers 2 and 3 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries should be substituted, namely:—

“2. Shri R. K. Anand,

Director, Ministry of Industry,

Department of Industrial Development.

3. Shri K. Marga Banthu”.

[F. No. 2(44)/77-C.U.C]

B. ROY, Joint Secy.